ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
PP. No.- 216-219

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- IV, Issues-30, YEAR- Oct.-Dec.-2023

आजमगढ़ जनपद (उ0प्र0) में जनसंख्या घनत्व का परिवर्तनशील स्वरूप

डॉ0 कमल कुमार त्रिपाठी
असि0 प्रो0– भूगोल विभाग, बी0एन0के0बी0 पी0जी0 कालेज, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर (उ0प्र0), भारत

Received-08.12.2023, Revised-15.12.2023, Accepted-20.12.2023 **E-mail: drdksgeo@gmail.com**

सारांशः ***जनसंख्या घनत्व का अध्ययन किसी भी क्षेत्र के जनसंख्या विश्लेषण का महत्वपूर्ण अंग होता है, क्योंकि जनसंख्या वितरण प्रतिरूप की सापेक्षिक स्थिति को स्पष्ट करने की यह सबसे उत्तम विधि है। जनसंख्या घनत्व जनसंख्या का महत्वपूर्ण घटक है, जो किसी इकाई क्षेत्र पर जनसंख्या के भार को दर्शाता है। ऐसी मान्यता है कि उच्च जनसंख्या घनत्व विकास में बाधक होता है, परन्तु यह क्षेत्र विशेष में विद्यमान मानव शक्ति को भी परिलक्षित करता है। इसके द्वारा संसाधनों का समुचित विकास सम्भव होता है। जिन क्षेत्रों में जीवन यापन की सम्भावनाएं अधिक होती हैं, वहाँ उच्च जनसंख्या घनत्व पाया जाता है। औद्योगिक विकास से पूर्व जीवन यापन का साधन कृषि तथा पशुपालन था। अतः कृषि प्रधान देशों में जनसंख्या का उच्च बसाव पाया गया। इन देशों में मानव अपनी सम्पूर्ण आवश्यकताएं कृषि, पशुपालन, वन वस्तु संग्रह आदि से पूर्ण कर लेता था। विपरीत जलवायु वाले क्षेत्रों में उद्योग, व्यापार, परिवहन के साधन आदि का विकास हो जाने पर जनसंख्या के सघन बसाव के केन्द्र बन जाते हैं। जनसंख्या घनत्व जनसंख्या और भूमि का अनुपात होता है। इसमें जनसंख्या वितरण की उत्तम स्थिति का अवलोकन होता है। जनसंख्या घनत्व को कई प्रकारों में विभक्त किया जाता है जैसे गणितीय घनत्व, पोषणीय घनत्व, कृषीय घनत्व तथा आर्थिक घनत्व। जनसंख्या भूगोल में गणितीय घनत्व को सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। यह प्रति इकाई क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या के अनुपात को दर्शाता है।***

कुंजीभूत शब्द– वितरण प्रतिरूप, सापेक्षिक स्थिति, जनसंख्या घनत्व, मानव शक्ति, समुचित विकास, जीवन यापन, औद्योगिक विकास।

अध्ययन क्षेत्र– प्रस्तुत अध्ययन उत्तर प्रदेश राज्य का एक पिछड़ा जनपद है, जो प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है। यह अपने ऐतिहासिक तथा पौराणिक कथाओं के लिए जाना जाता है। इसका सम्बन्ध रामायण काल तथा ऋषि दुर्वासा से बताया जाता है। जनपद का अक्षांशीय विस्तार 25038′ उत्तरी से 26027′ उत्तरी अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार 82042′ से 83027′ पूर्वी देशान्तर के मध्य पाया गया है। इसकी उत्तर दक्षिण लम्बाई 85 किलोमीटर तथा पूर्व–पश्चिम 75 किलोमीटर है। जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 4054 वर्ग किलोमीटर है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 1.80 प्रतिशत है। आजमगढ़ जनपद के पूर्व में मऊ जनपद, दक्षिण पूर्व में गाजीपुर, दक्षिण पश्चिम में जौनपुर, पश्चिम में सुलतानपुर, उत्तर पश्चिम में अम्बेडकरनगर तथा उत्तर पूर्व में गोरखपुर जनपद स्थित है। घाघरा नदी आजमगढ़ जनपद तथा गोरखपुर जनपद की सीमा निर्धारित करती है। ऐतिहासिक दृष्टि से आजमगढ़ जनपद का अतीत अत्यन्त गौरवशाली एवं महिमा मण्डित रहा है। पुरातात्विक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक तथा औद्योगिक दृष्टि से जनपद का अपना विशिष्ट स्थान है। हिन्दू–मुस्लिम साम्प्रदायिक सद्भाव, आध्यात्मिक, वैदिक, पौराणिक, शिक्षा, संस्कृति, कला, ऐतिहासिक दुर्ग, प्राचीन धरोहर को आदिकाल से अब तक अपने में समेटे हुए है।

वर्ष 2011 में जनपद की कुल जनसंख्या 4612134 है, जिसमें 2284157 पुरुष तथा 2327977 महिलाएं हैं। कुल साक्षरता दर 70.92 प्रतिशत है, जिसमें पुरूष साक्षरता 81.34 प्रतिशत महिला साक्षरता 60.89 प्रतिशत पायी गयी है। वर्ष 2011 में जनपद में कुल कर्मकरों की संख्या 29.88 प्रतिशत पायी गयी है, जिसमें कुल मुख्य कर्मकर 55.51 प्रतिशत है। कुल मुख्यकर्मकरों में 66.30 प्रतिशत प्राथमिक कर्मकर, 5.66 प्रतिशत द्वितीयक कर्मकर तथा 28.5 प्रतिशत तृतीयक कर्मकर पाये गये हैं। अध्ययन क्षेत्र में 3175 प्राथमिक विद्यालय, 2246 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 882 माध्यमिक विद्यालय, 90 महाविद्यालय, 145 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाये गये हैं। जनपद में वर्ष 2020–21 में 28 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 69 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 1263 शैय्याएं तथा 229 डाक्टर पाये गये हैं। जनपद में कुल पक्की सड़कों की लम्बाई 7610 किलोमीटर पायी गयी है।

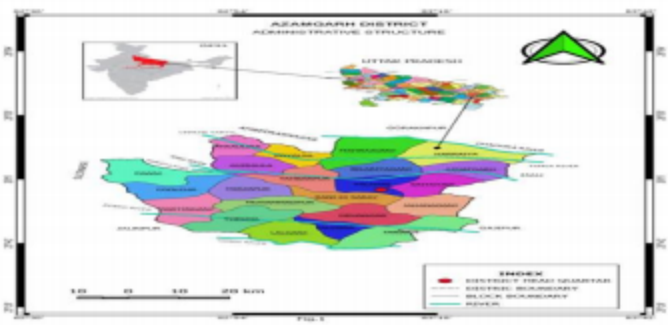

शोध प्रविधि– आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या घनत्व के भू–वैन्यासिक एवं कालिक विश्लेषण के लिए वर्ष 2001 तथा 2011 के आंकड़ों का संकलन जिला एवं अर्थ संख्या विभाग आजमगढ़ द्वारा प्रकाशित सांख्यिकी पत्रिका से किया गया है। अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आंकड़ों का संकलन जनपद एवं विकास खण्ड स्तर पर किया गया है। अध्ययन को उपयोगी बनाने के लिए मध्यमान मूल्य, मानक विचलन तथा विभिन्नता गुणांक की गणना की गयी है। तत्पश्चात दस वर्षों की समयावधि में जनसंख्या में हुए परिवर्तन

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- IV, Issues-30, YEAR- Oct.-Dec.-2023

का भी विश्लेषण किया गया है।

आजमगढ़ जनपद में वर्ष 2001 में 864 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में निवास करते थे, जबकि उत्तर प्रदेश में 690 तथा भारत में 325 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर आकलित किये गये। वर्ष 2011 में आजमगढ़ जनपद में औसत जनसंख्या घनत्व 1011 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, जबकि इस अवधि में उत्तर प्रदेश में 829 तथा भारत में 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर औसत जनसंख्या घनत्व पाया गया। अध्ययन से स्पष्ट है कि विगत दशकों में प्रदेश तथा देश की तुलना में आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या घनत्व में उच्च ध नात्मक परिवर्तन हुआ है। विगत दशक में देश में 57 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है, वहीं प्रदेश में 139 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर, जबकि आजमगढ़ जनपद में 147 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है।

जनसंख्या घनत्व का क्षेत्रीय वितरण 2001– आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या घनत्व के क्षेत्रीय वितरण को दर्शाने के लिए विकास खण्ड स्तर पर आकड़ों का संकलन किया गया है। वर्ष 2001 के जनसंख्या घनत्व के आकड़ों के आधार पर समस्त विकास खण्डों को पाँच वर्गों अति निम्न, निम्न, मध्यम, उच्च और अति उच्च में वर्गीकृत किया गया है।

अति निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– अति निम्न वर्ग के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के छः विकास खण्ड आकलित किये गये, जो कुल विकास खण्डों का 27.27 प्रतिशत है, इसमें महराजगंज, हरैया, मार्टीनगंज, ठेकमा, तरवां, पल्हना विकास खण्ड सम्मिलित हैं। इन विकास खण्डों में जनसंख्या घनत्व 800 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से कम पाया गया है। इस श्रेणी के महराजगंज तथा हरैया में जनसंख्या घनत्व 670 तथा 651 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है, जबकि मार्टीनगंज में 714 ठेकमा में 768 तरवां में 747 और पल्हना विकास खण्ड में 709 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है।

सारिणी–2 आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या घनत्व का विवरण (व्यक्ति वर्ग किमी0)

1994–95				2019–20			परिवर्तन		
श्रेणी	आन्तरिक मूल्य	वि.ख. की संख्या	कुल वि.ख. का प्रतिशत	आन्तरिक मूल्य	वि.ख. की संख्या	कुल वि.ख. का प्रतिशत	आन्तरिक मूल्य	वि.ख. की संख्या	कुल वि.ख. का प्रतिशत
अति निम्न	800 से कम	6	27.27	900 से कम	6	27.27	100 से कम	3	13.64
निम्न	800 से 850	4	18.18	900 से 1000	4	18.18	100 से 125	6	27.27
मध्यम	850 से 900	3	13.64	1000 से 1100	6	27.27	125 से 150	7	31.82
उच्च	900 से 950	3	13.64	1100 से 1200	1	4.54	150 से 175	3	13.64
अति उच्च	950 से अधिक	6	27.27	1200 से अधिक	5	22.72	175 से अधिक	3	13.64
	योग–	**22**	**100.00**	**योग–**	**22**	**100.00**	**योग–**	**22**	**100.00**
Statistical Values-2001		Mean- 893.36			S.D.- 167.95			C.V.- 18.80	
Statistical Values-2011		Mean- 1035.64			S.D.- 209.11			C.V.- 20.19	

Source-District Statistical Bulletin 2010&2020

निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– जनसंख्या घनत्व के निम्न वर्ग में उन विकास खण्डों को रखा गया, जहाँ 800 से 850 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य जनसंख्या घनत्व पाया गया। इस श्रेणी के अन्तर्गत चार विकास खण्ड अतरौलिया, जहानागंज, लालगंज और मेहनगर आते हैं, जो कुल विकास खण्डों का 18.18 प्रतिशत है। अतरौलिया विकास खण्ड में जनसंख्या घनत्व 843, जहानागंज में 846, लालगंज में 841 और मेहनगर विकास खण्ड में 839 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है।

मध्यम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– आजमगढ़ जनपद के तीन विकास खण्डों को मध्यम वर्ग में रखा गया है, यहाँ जनसंख्या घनत्व 850–900 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य रहा है। जनपद के 13.64 प्रतिशत विकास खण्ड इस श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं। इसमें तहबरपुर, मोहम्मदपुर और पवई विकास खण्ड शामिल है। विकास खण्ड तहबरपुर में जनसंख्या का घनत्व 877, मोहम्मदपुर में 865 व पवई में 862 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है। जनपद के दक्षिणी क्षेत्रों में ये विकास खण्ड सम्मिलित है। यहाँ जनसंख्या का बसाव मध्यवर्ती भागों की अपेक्षा विरल पाया गया है।

उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– जनसंख्या घनत्व के उच्च् वर्ग में अहिरौला, अजमतगढ़ और फूलपुर विकास खण्ड आते हैं। इन विकास खण्डों में जनसंख्या घनत्व 900 से 950 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य पाया गया है। इस वर्ग के अहिरौला विकास खण्ड में जनसंख्या घनत्व 905 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, जबकि अजमतगढ़ में 923 तथा फूलपुर में 909 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है। इस वर्ग में जनपद के कुल विकास खण्डों के 13.64 प्रतिशत विकास खण्ड शामिल हैं।

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- IV, Issues-30, YEAR- Oct.-Dec.-2023

अति उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– जनपद के उन विकास खण्डों को अति उच्च वर्ग में रखा गया है। जहाँ जनसंख्या घनत्व 950 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य पाया गया है। इस श्रेणी के अन्तर्गत कोयलसा, बिलरियागंज, मिर्जापुर, रानी की सराय, पल्हनी और सठियांव विकास खण्ड आते हैं, जो कुल विकास खण्डों का 27.27 प्रतिशत है। कोयलसा तथा बिलरियागंज में जनसंख्या घनत्व 972 व 1055 पाया गया। मिर्जापुर में 1062, रानी की सराय में 1135 पल्हनी में सर्वाधिक 1331 व सठियांव में 1130 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है।

जनसंख्या घनत्व का क्षेत्रीय वितरण 2011– वर्ष 2011 में आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या घनत्व का औसत 1036 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, परन्तु इसके क्षेत्रीय वितरण में बड़ी विषमता पाई गई। जनपद के हरैया विकास खण्ड में जहाँ जनसंख्या का घनत्व 743 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, वहीं पल्हनी विकास खण्ड में सर्वाधिक 1610 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है। इसी असमानता को देखते हुए जनपद के सभी विकास खण्डों को पाँच वर्गों में व्यवस्थित किया गया है।

अति निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– वर्ष 2011 में जनसंख्या घनत्व के अति निम्न वर्ग में वे विकास खण्ड आकलित किये गये, जहाँ जनसंख्या घनत्व 900 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से कम था। इस श्रेणी के अन्तर्गत जनपद के छः विकास खण्ड पाये गये, जो कुल विकास खण्डों का 27.28 प्रतिशत है। इसमें महराजगंज, हरैया, मार्टीनगंज, ठेकमा, तरवां तथा पल्हना विकास खण्ड आकलित किये गये। अति निम्न वर्ग में सम्मिलित महराजगंज विकास खण्ड में जनसंख्या घनत्व 782 हरैया में 743 मार्टिनगंज में 837 ठेकमा 877 तरवां और पल्हना में क्रमशः 772 व 771 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है।

निम्न जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– आजमगढ़ जनपद के पाँच विकास खण्डों को जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से निम्न वर्ग में शामिल किया गया है। इन विकास खण्डों में जनसंख्या घनत्व 900 से 1000 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के बीच पाया गया है। निम्न वर्ग में जनपद के चार विकास खण्ड अतरौलिया, जहानागंज, लालगंज और मेहनगर आकलित किये गये। इस श्रेणी के अतरौलिया विकास खण्ड में जनसंख्या घनत्व 952 जहानागंज में 923 लालगंज में 961 तथा मेहनगर में 993 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है। इस श्रेणी में जनपद के 18.18 प्रतिशत विकास खण्ड शामिल हैं।

मध्यम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– जनसंख्या घनत्व के मध्यम वर्ग में छः विकास खण्ड पाये गये, जो कुल विकास खण्डों का 27.28 प्रतिशत है। इसमें अहिरौला, अजमतगढ़, तहबरपुर, मोहम्मदपुर, पवई और फूलपुर विकास खण्ड शामिल है। इस श्रेणी के विकास खण्डों में जनसंख्या का घनत्व 1000 से 1100 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य पाया गया है। विकास खण्ड अहिरौला में 1048 अजमतगढ़ में 1059 तहबरपुर में 1013 मोहम्मदपुर में 1010 पवई में 1025 और फूलपुर में 1084 आकलित किया गया है।

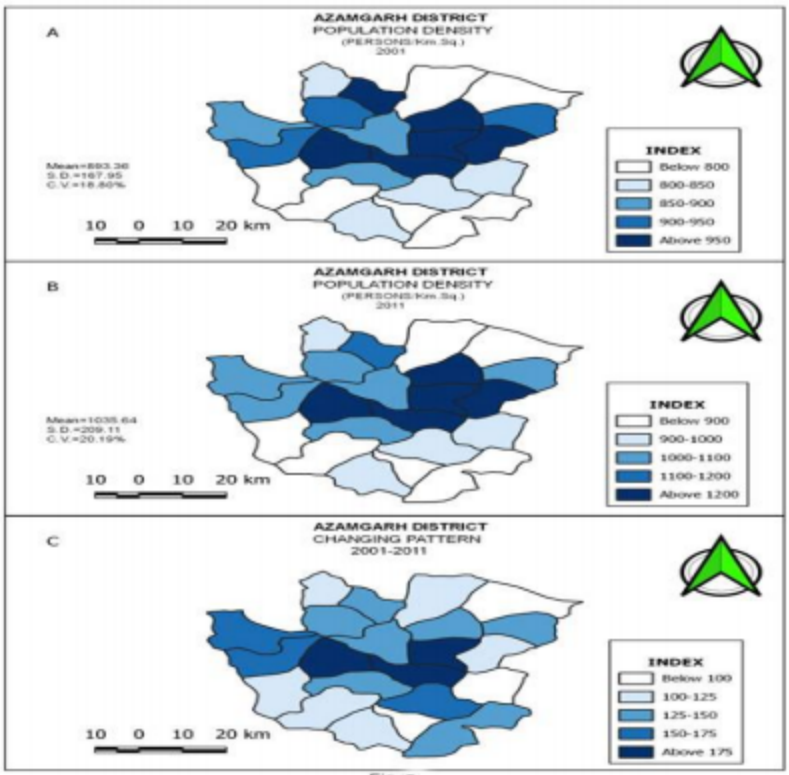

उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– अध्ययन क्षेत्र के जिन विकास खण्डों में जनसंख्या घनत्व 1100 से 1200 के बीच पाया गया उनको उच्च संवर्ग में समाहित किया गया है। इस श्रेणी में आजमगढ़ जनपद का मात्र एक विकास खण्ड कोयलसा पाया गया। यहाँ जनसंख्या का घनत्व 1106 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है।

अति उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्र– इस श्रेणी के अन्तर्गत वे विकास खण्ड आते हैं, जहाँ जनसंख्या का घनत्व 1200

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- IV, Issues-30, YEAR- Oct.-Dec.-2023

व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से अधिक पाया गया है। इसके अन्तर्गत पाँच विकास खण्ड आते हैं जो कुल विकास खण्डों का 22.72 प्रतिशत है। बिलरियागंज, मिर्जापुर, रानी की सराय, पल्हनी और सठियांव विकास खण्ड इस संवर्ग में आकलित किये गये। जनपद के बिलरियागंज में जनसंख्या का घनत्व 1288, मिर्जापुर में 1262 रानी की सराय में 1318 सठियांव में 1250 और पल्हनी में 1610 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है। इन विकास खण्डों में मानव विकास के लिए सभी सामाजिक आर्थिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

जनसंख्या घनत्व का परिवर्तनशील प्रतिरूप 2001–2011 आजमगढ़ जनपद में जनसंख्या घनत्व के परिवर्तन के आकड़ों के आधार पर समस्त विकास खण्डों को पाँच वर्गों में विभाजित किया गया है। अध्ययन क्षेत्र के जिन विकास खण्डों में दस वर्षों की समयावधि में जनसंख्या घनत्व में 100 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से कम की वृद्धि हुई है, उसे अति निम्न वर्ग में रखा गया है। इसमें हरैया, जहानागंज और पल्हना आकलित किये गये। परिवर्तन के निम्न वर्ग में वे विकास खण्ड आते हैं, जहाँ जनसंख्या घनत्व में वृद्धि 100 से 125 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य पाया गया। इसमें विकास खण्डों की संख्या छः पाई गई, अतरौलिया, महराजगंज, सठियांव, मार्टीनगंज, ठेकमा और लालगंज इस वर्ग में सम्मिलित हैं। एक दशक में जनसंख्या घनत्व में परिवर्तन जिन विकास खण्डों में 125 से 150 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य या उनको मध्यम वर्ग में रखा गया। इसके अन्तर्गत कोयलसा, अहिरौला, बिलरियागंज, अजमतगढ़, तहबरपुर, मोहम्मदपुर और तरवां विकास खण्ड आते हैं।

अजमतगढ़ जनपद के तीन विकास खण्डों पवई, फूलपुर और मेहनगर को परिवर्तन के उच्च वर्ग में रखा गया है। यहाँ दस वर्षों की समयावधि में जनसंख्या घनत्व में परिवर्तन 150 से 175 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के मध्य हुआ है। इस श्रेणी में जनपद के 13.64 प्रतिशत विकास खण्ड शामिल है। अति उच्च वर्ग में तीन विकास खण्ड मिर्जापुर, रानी की सराय और पल्हनी आते हैं, जो कुल विकास खण्डों का 13.64 प्रतिशत है। इन विकास खण्डों में जनसंख्या घनत्व में 175 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के अधिक की वृद्धि हुई है।

निष्कर्ष एवं सुझाव– अध्ययन से स्पष्ट है कि दस वर्षों की समयावधि (2001–2011) में आजमगढ़ जनपद में सर्वाधिक परिवर्तन पल्हनी विकास खण्ड में 279 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर पाया गया है, जबकि सबसे कम पल्हना विकास खण्ड में 62 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर रहा। अध्ययन से स्पष्ट है कि आजमगढ़ जनपद के मध्यवर्ती विकास खण्डों में उच्च परिवर्तन हुआ है, जबकि उत्तरी तथा दक्षिणी विकास खण्डों में परिवर्तन की दर कम पाई गयी। अध्ययन क्षेत्र के जिन विकास खण्डों में जनसंख्या का घनत्व कम है, वहाँ बाढ़, मिट्टी की अनुर्वरता, परिवहन मार्गों की कमी, उद्योग का अभाव आदि कारण हैं। सामाजिक सुविधाओं का विकास करके जनसंख्या घनत्व में विद्यमान विषमता को कम किया जा सकता है। अतः सामाजिक सुविधाओं और औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Chauhan, P.R. & Prasad, Mahatarm (2018): Bharat Ka Vrihad Bhoogol, Vashundhara Publication Gorakhpur. P.481.
2. Singh, R.B. (2005): Geographical Mosaics of culture, environment & Human Development the Indian Experience, Annals, Vol. XXV, No.2, P.20.
3. Shukla J.R. (1987) Rural Development Alternative in India. A Case Study of Faizabad District. An Unpub lished Ph.D. Thesis Submitted to University of Allahabad.
4. Chatterjee, S.P. (2016): Regional Pattern of Density and Distribution in IndiaGeographical Review of In dia. P. 24-28.
5. Tiwari, R.C. (2016) : Settlement Geography, Pravalika Publication, Allahabad, P-186.

*****